MT

Seat No. | | | | | | | |

2019 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - V

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 100**

विभाग 1 - गद्य : 24 अंक

उ.1.	**(अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	**(8)**
(1)	**उचित घटना क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।** (i) करामत अली ड्यूटी पर जाने की तैयारी में था। (ii) करामत अली घर से निकलकर कारखाने की तरफ हो लिया। (iii) नईम ने करामत अली को कुछ परेशान देखा। (iv) करामत अली नईम के पास से हटकर अपने काम में जुट गया।	**2**
(2)	**कारण लिखिए।** (i) क्योंकि महँगाई के जमाने में गाय को सिर्फ सादा चारा देने में ही तीन-साढ़े तीन सौ महीने का खर्चा था। (ii) क्योंकि इस जमाने में बूढ़ी गाय को बैठाकर खिलाना उसके बस की बात नहीं थी।	**2**
(3)	**(i) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाइए।** (1) परेशान - परेशानी (2) तैयार - तैयारी	**1**
	(ii) वचन बदलिए। (1) परेशान – परेशानियाँ (2) खर्चा – खर्चे	**1**
(4)	पालतू जानवर वृद्ध हो जाए, तो हमें उन्हें बेचना या छोड़ना नहीं चाहिए, बल्कि उनका और ठीक से ध्यान रखना और उनकी सेवा करनी चाहिए। यदि हम उन्हें छोड़ या बेच देते हैं, तो नए माहौल में वे अपने आपको ढाल नहीं सकते हैं। पालतू जानवर चाहे गाय हो या भैंस या फिर कुत्ता हो या बिल्ली, वे बचपन से ही अपने घर पर रहते हैं। उन्हें परिवार के सभी सदस्यों से लगाव हो जाता है। कुत्ता घर की रखवाली करता है। गाय या भैंस दूध देती है। बिल्ली चूहों को खाती है। इस प्रकार ये पालतू जानवर इंसान के बहुत काम आते हैं। इसलिए जब वे वृद्ध हो जाएँ, तो हमें उनकी सेवा करनी चाहिए।	**2**

उ.1	(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।	(8)
(1)	(i) संजाल पूर्ण कीजिए।	2

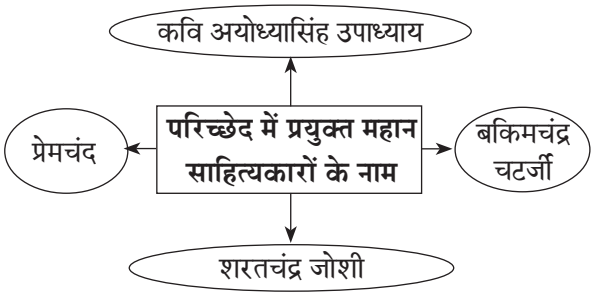

(ii) कृति पूर्ण कीजिए। 1

लेखक	पुस्तक
बंकिमचंद्र चटर्जी	**आनंदमठ**
प्रभातकुमार मुखोपाध्याय	देशी और विलायती (उपन्यास)

(2) उत्तर लिखिए । 1

१९२८-१९२९ में साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय का लाठीचार्ज।

(3) (i) मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए। 1

(1) आनंदमठ (2) लाठीचार्ज

(ii) लिंग बदलिए। 1

(1) कवि - कवयित्री (2) लेखक - लेखिका

(4) कविता लिखना एक सहज कला होती है। हर कोई इस कला में माहिर नहीं होता। कविता व्यक्ति सहज भाव से लिखता है। कविता भावना का उद्‌गार होती है। कविता लिखते समय व्यक्ति के मन में प्रसंगों की प्रतिमा अपने आप तैयार हो जाती है। फिर व्यक्ति उनकी अभिव्यक्ति कविता के माध्यम से सहज रूप में करता है। यह एक ऐसी कला है जिसके लिए व्यक्ति का भावनाशील एवं संवेदनशील होना नितांत आवश्यक होता है। 2

उ.1	(इ) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :	(8)
(1)	कृति पूर्ण कीजिए।	

(i) 1

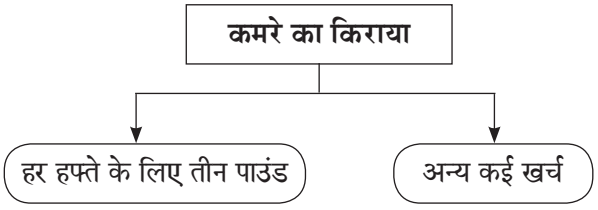

(ii)

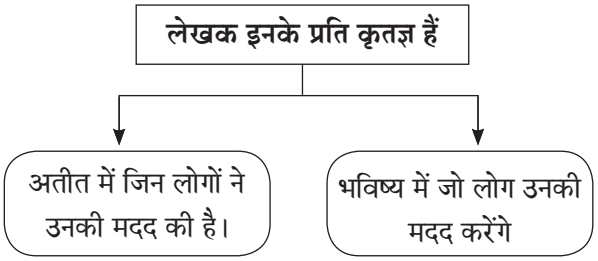

1

(2) **उत्तर लिखिए।** 2

(i) इंग्लैंड

(ii) अपना कर्तव्य

(iii) सब कुछ के लिए उन्हें अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है और उनकी आमदनी कम है।

(iv) आत्मरक्षा

(3) **लिंग पहचानकर लिखिए।** 2

(i) जेब - स्त्रीलिंग (iii) साहित्य - पुल्लिंग

(ii) दावा - पुल्लिंग (iv) सेवा - स्त्रीलिंग

(4) 'कृतज्ञता' का अर्थ है कृतज्ञ होने का भाव। यह एक महान गुण है। यह मनुष्य का एक ऐसा आभूषण है, जिसे धारण करने से हमारा भी भला होता है और दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। जब कोई व्यक्ति हमारे लिए कुछ करता है, तो उसके प्रति हमें कृतज्ञ होना चाहिए। ईश्वर ने हमें सब कुछ दे दिया है, अत: हमें उसके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हम अपने प्रति कभी भी और किसी भी रूप में की गई सहायता के लिए आभार प्रकट करते हैं और कहते हैं कि 'हम आपके प्रति कृतज्ञ हैं और इसके बदले में जब भी अवसर आएगा, अवश्य ही सेवा करेंगे।' इसलिए कहा गया है कि 'कृतज्ञता मनुष्य की अनमोल निधि है।' 2

विभाग 2 - पद्य : 18 अंक

उ.2 **(अ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** (6)

(1) **लिखिए।** 1

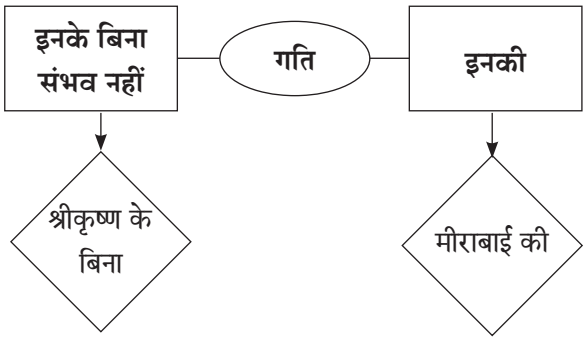

(2) (i) **समझकर लिखिए।** **1**

(ii) **इस अर्थ में आए शब्द लिखिए।** **2**

	अर्थ	शब्द
(i)	बार-बार	बेर-बेर
(ii)	पालनहार	प्रतिपाल
(iii)	साजन	पिव
(iv)	भक्तिन	दासी

(3) **निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

मीराबाई कहती हैं- ''हे श्रीकृष्ण! आपके बिना मेरा किसी भी प्रकार का अस्तित्व नहीं है। आप ही मेरे पालनहार हैं और मैं आपके चरणों की दासी हूँ। मैंने अपने जीवन की शुरुआत से आपका नाम जपना शुरू किया है और जीवन के अंतकाल तक मैं आपका ही नाम जपती रहूँगी। आपके ही नाम रूपी नाव पर सवार होकर मैं भवसागर से पार उतरूँगी। मैं बार-बार आपकी ही आरती गाती रहूँगी।''

उ.2. **(आ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए :** **(6)**

(1) **समता की ओर**

(i) **रचनाकार का नाम** : कवि मुकुटधर पांडेय **1**

(ii) **काव्य प्रकार** : छायावादी काव्य **1**

(iii) **पसंदीदा पंक्ति** : हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा, भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा। **1**

(iv) **पसंदीदा होने का कारण** : प्रस्तुत पंक्तियाँ समाज में अमीर भाइयों को गरीब भाइयों की भलाई के बारे में विचार करने के लिए प्रवृत्त करती है। इन पंक्तियों में समाज से अमीरी-गरीबी का भेदभाव दूर करके समता स्थापित करने की बात बताई गई है। इसलिए प्रस्तुत पंक्तियाँ मुझे बेहद पसंद हैं। **2**

(v) **कविता से प्राप्त संदेश** : विश्व-बंधुत्व जैसी मानवीय भावना को अपनाकर एक-दूसरे के साथ बंधुत्व का व्यवहार करना। **1**

अथवा

(2) **भारत महिमा**

(i) **रचनाकार का नाम** : जयशंकर प्रसाद **1**

(ii) **रचना का प्रकार** : छायावादी आधुनिक काव्य **1**

(iii) **पसंदीदा पंक्ति :** हिमालय के आँगन में उसे, 1
किरणों का दे उपहार;
उषा ने अभिनंदन किया,
और पहनाया हीरक हार।

(iv) **पसंदीदा होने का कारण :** सूर्योदय होने से कुछ पल पहले उषा रूपी किरणों का हिमालय के आँगन में आगमन हुआ। भारत देश में उदित होने वाली उषा अपने साथ सुनहरी किरणों को लेकर आई। मानो वह भारत का अभिनंदन कर उसे हीरों का हार पहना रही हो। इसमें कवि ने मानवीकरण अलंकार के माध्यम से भारत की प्राकृतिक सुषमा का जो मनोहारी वर्णन किया है, वह अद्‌भुत व अतुलनीय है। अत: यह पंक्तियाँ मुझे अत्यंत प्रिय हैं। 2

(v) **रचना से प्राप्त संदेश :** इस कविता से हमें यह संदेश प्राप्त होता है कि हमें अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए और इस पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। 1

उ.2. **(इ) अपठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** (6)

(1) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

(i) किसी से काम करवाने के लिए उपयुक्त -

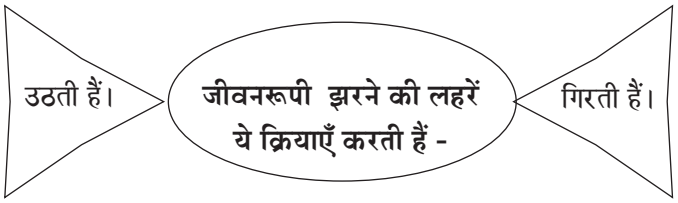

(ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

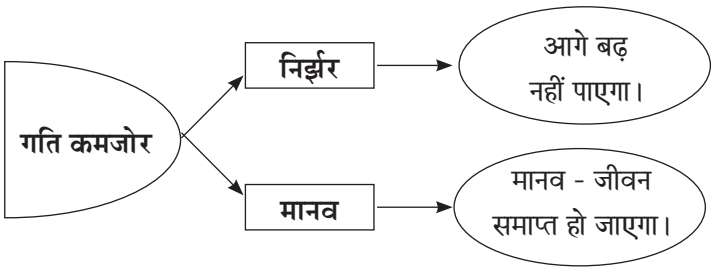

(2) (i) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्‌ध शब्द लिखिए।** 1

(1) निरझर - निर्झर (2) घड़िया - घड़ियाँ

(ii) **पद्‌यांश से तुकान्त शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए।** 1

(1) पछताता है - जाता है (2) जिस दिन - गिन - गिन

(3) **निम्नलिखित अपठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

जीवन रूपी झरने की लहरें उठती -गिरती रहती हैं अर्थात् जीवन में उन्नति-अवनति आती रहती है। यदि किसी ने अपने जीवन में समय आने पर उसका सदुपयोग नहीं किया तो उसे उसी प्रकार से पश्चाताप भी करना पड़ता है, जिस प्रकार से लहरों से डरकर नाविक अपनी नाव झरने में नहीं उतारता है। इस प्रकार जीवन रूपी झरना अपनी जवानी की राह पर आगे बढ़ता ही जाता है।

विभाग 3 - पूरक पठन : 8 अंक

उ.3. **(अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।** **(4)**

(1) **(i) आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

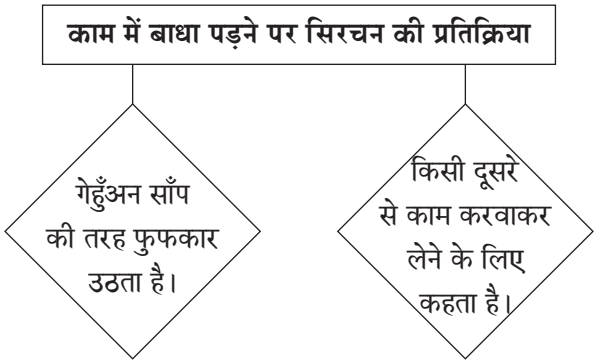

(ii) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य पहचानकर लिखिए। **1**

(1) सत्य (2) असत्य

(2) कारीगर अपनी कारीगरी के लिए प्रसिद्ध होता है। अपनी कारीगरी दिखाकर ही वह समाज में मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा पा सकता है। यदि वह अपना काम तन्मयता से नहीं करेगा, तो उसकी कारीगरी को लोग पसंद नहीं करेंगे। तन्मयता से काम करने पर ही काम ठीक-ठाक ढंग से पूरा हो जाता है और जल्दी भी पूरा हो जाता है। तन्मयता से काम न करने पर उसमें बाधा निर्माण होती है और काम जैसा चाहें, वैसा नहीं होता है। **2**

उ.3. **(आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

(1) **(i) वर्गीकरण कीजिए।** **1**

ऐतिहासिक	पौराणिक
लक्ष्मीबाई, दुर्गावती, चाँद बीबी, पद्मिनी, रजिया सुलताना	सावित्री, सीता

(ii) विशेषताओं के आधार पर पहचानिए। **1**

(1) रानी लक्ष्मीबाई (2) लड़का-लड़की (स्त्री-पुरुष)

(2) प्रत्येक स्त्री में रानी लक्ष्मीबाई होती है। नारी माँ दुर्गा का रूप होती है। वह सबला होती है। यदि उसके साथ कोई बदलसलूकी करने की कोशिश करे, तो वह चंडिका का रूप धारण कर लेती है। रानी लक्ष्मीबाई **2**

की तरह वह तुरंत अपने अस्तित्व व अस्मिता के लिए लड़ने-मरने को तैयार हो जाती है। संघर्ष करके समाज के साथ लड़ने की ताकत उसमें होती है। आज हमारे देश की नारी अंतरिक्ष में जा रही है। वह वैमानिक बनकर आसमान में उड़ रही है। वैज्ञानिक बनकर वह अनुसंधान कर रही है। राजनीतिज्ञ बनकर देश को चला रही है। भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अद्‌भुत कार्य को कोई भूल नहीं सकता है। इसलिए कहा जाता है कि प्रत्येक स्त्री में रानी लक्ष्मीबाई होती है।

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

उ.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) **निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए।** **1**

ईश्वर : जातिवाचक संज्ञा प्रार्थना : भाववाचक संज्ञा

(ii) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **1**

तुम बाजार जाओ।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

के सामने : संबंधसूचक अव्यय

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **1**

वाक्य - महादेवी सिर्फ कवयित्री ही नहीं बल्कि एक महान रचनाकार भी थीं।

(3) काल परिवर्तन कीजिए।

(i) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। **1**

(ii) सरकार एक ही टैक्स लगाएगी। **1**

(4) तालिका पूर्ण लिखिए । **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
महात्मा	महा + आत्मा	स्वर संधि
नमस्ते	नम: + ते	विसर्ग संधि

(5) (i) **रचना के आधार पर निम्न वाक्य के भेद पहचानिए।** **1**

मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं। (सरल वाक्य)

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**

तुम अपना ख्याल रखो।

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

टाँग अड़ाना : अड़ंगा डालना

वाक्य: यदि तुम मेरे काम में **टाँग अड़ाने की** कोशिश करोगे तो मैं तुम्हें नहीं छोड़ूँगा।

(ii) **निम्न वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही <u>तिलमिला गए।</u>

(7) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।**

(i) कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला <u>की</u> पुस्तक पढ़ने लगे। **1**

(ii) डॉ. महादेव <u>साहा</u> ने बाजार से <u>नई</u> पुस्तक <u>खरीदी</u>। **1**

(8) **निम्न वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**

मुख्य क्रिया - आना सहायक क्रिया - पहुँची (पहुँचना)

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
(i)	नहाना	नहलाना	नहलवाना
(ii)	खेलना	खिलाना	खिलवाना

(10) **निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए।** **1**

मँझली भाभी मुट्ठी भर बुँदियाँ सूप में फेंककर चली गई।

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**

हमारे शहर **<u>में</u>** एक कवि है।

में - अधिकरण कारक

विभाग 5 - उपयोजित लेखन: 32 अंक

उ.5 (अ) **(1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।** **5**

(i) दिनांक - १५ मार्च, २०१८

सेवा में,

श्रीमान स्वास्थ्य अधिकारी जी,

महानगर पालिका,

अमरावती - ३५५४२१

विषय : <u>अशुद्ध जल की आपूर्ति के संबंध में शिकायत पत्र।</u>

माननीय महोदय,

मैं आपके शहर का एक निवासी हूँ। बड़े दुख के साथ आपको सूचित करना पड़ रहा है कि पिछले कई दिनों से शहर में अशुद्ध जल की आपूर्ति की जा रही है। अशुद्ध जल पीने से सारा शहर महामारी की चपेट में आ गया है। लोग डायरिया जैसी भयंकर बीमारी के शिकार हो रहे हैं। महानगर पालिका के अधिकारी अब तक अनजान बने हुए हैं और नगर निवासी परेशान हैं। शुद्ध जल की

	आपूर्ति के बिना बीमारी पर नियंत्रण पाना असंभव है। यदि समय रहते ध्यान न दिया गया तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है। अत: आपसे प्रार्थना है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल उचित कार्यवाही करने की कृपा करें। कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। धन्यवाद! भवदीय, महेश शर्मा। नाम : महेश शर्मा पता : गांधी नगर, अमरावती - ३५५४२१ ई-मेल आईडी : mahesh@gmail.com	
	अथवा	
(ii)	दिनांक - २४ दिसंबर, २०१७ प्रिय इंदुभूषण स्नेह! १ जनवरी, २०१७ से शुरू होने वाला यह नया वर्ष तुम्हारे जीवन में सुख-समृद्धि की वर्षा करे। तुम्हारा जीवन खुशियों से भर जाए। मेरी शुभकामना स्वीकार करो। धन्यवाद! तुम्हारा, पवन शर्मा नाम : पवन शर्मा पता : १८२ निर्मल पार्क, गाँधी नगर, पटना ई-मेल आईडी : pawan123@gmail.com	**5**
(2)	(i) सभी क्या चाहते हैं? (ii) हमारे देश में कौन-कौन से धार्मिक स्थान हैं? (iii) आज धार्मिक क्षेत्र में हमें किन-किन बातों की आवश्यकता है? (iv) हर जगह क्या छिड़ा हुआ है? (v) धार्मिक स्थानों से क्या प्रसारित होना चाहिए?	**5**

उ.5 (आ)

(1) वृत्तांत लेखन । **5**

दिनांक १५ सितंबर, २०१८ : मुंबई : इस दिन भारती विद्यालय, मुंबई में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया था। प्रमुख अतिथि के रूप में हिंदी भाषा की सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती वीणा चौधरी जी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। सुबह ठीक १०:०० बजे कार्यक्रम की शुरुआत हई। विद्यालय के विद्यार्थी प्रमुख शैलेश कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि महोदया जी का स्वागत किया। स्कूल की प्राचार्या श्रीमती विमला जी ने हिंदी दिवस का महत्त्व बताया। उन्होंने 'आज हिंदी भारत के हर क्षेत्र में ही नहीं, अपितु विदेशों में भी बोली व जानी जाती है' इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यालय में हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिन्दी भाषण-प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया था। विद्यालय के कुछ छात्रों ने नृत्य व नाटिका का रँगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर इस दिन की शोभा में चार-चाँद लगा दिए। कक्षा दसवीं के एक छात्र ने अपने प्रभावपूर्ण भाषण में 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद किया। सुबह १२ बजे कार्यक्रम का समापन हुआ।

(2) निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

तब मचेगी धूम

जब
शुरू होंगे
आडिशन्स

मुंबई आडिशन्स
दिनांक : २० जून, २०१८ - सुबह : १० बजे से

डांस बच्चा डांस

उम्र : १४ से १८ साल

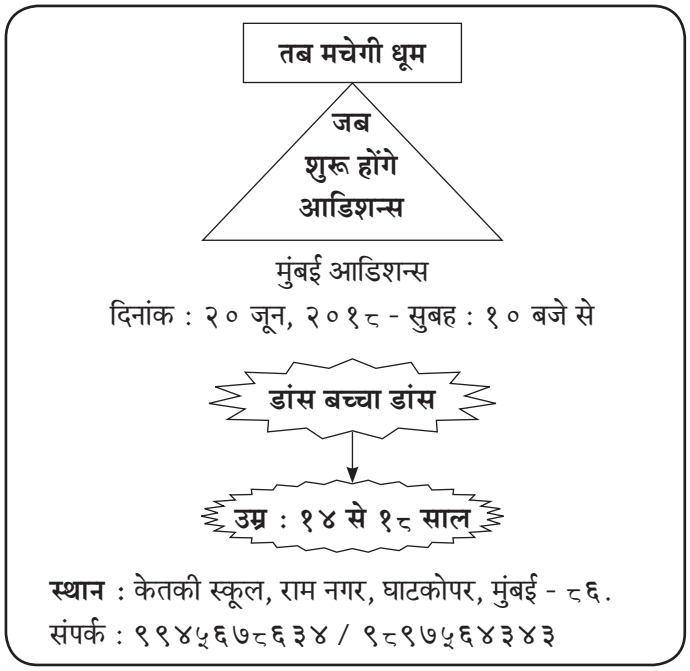

स्थान : केतकी स्कूल, राम नगर, घाटकोपर, मुंबई - ८६.
संपर्क : ९९४५६७८६३४ / ९८९७५६४३४३

(3) **5**

महात्मा का न्याय

रामपुर नामक गाँव में लोग आनंद की जिंदगी व्यतीत करते थे। एक बार एक स्त्री ने किसी के घर से अन्न चुराया, क्योंकि माँगने पर भी उसे कुछ खाने को नहीं मिला था। वह चोरी करते हुए पकड़ी गई। लोगों ने स्वयं निर्णय लिया कि इसे सज़ा दी जाए।

लोग उस पर पत्थर फेंकने लगे। वह चिल्लाने लगी, पर किसी ने उसकी एक न सुनी। उसी समय वहाँ से एक महात्मा गुजरे। उन्होंने जब यह देखा तो इसका कारण पूछा। लोगों ने उस अन्न चुरानेवाली की सारी घटना कह सुनाई और कहा कि अब आप ही इसका फैसला करें।

महात्मा ने लोगों से कहा कि इसे दंड अवश्य मिलना चाहिए, क्योंकि इसने पाप किया है। यह सुनकर गाँववाले प्रसन्न होकर उसे दंड देने के लिए उतावले हो गए। महात्मा ने उन्हें रोका और कहा, ''पहला पत्थर वह मारे जिसने जीवन में कभी कोई पाप नहीं किया हो।'' यह सुनकर सब लोग एक दूसरे का मुँह देखने लगे, क्योंकि वहाँ कोई ऐसा नहीं था, जिसने कभी कोई पाप न किया हो। सब लोगों के हाथों से पत्थर गिर गए। सभी ने महात्मा से क्षमा माँगी और उस स्त्री को माफ कर दिया।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि सबसे बड़ा दंड अपराधी को क्षमा करना है।

उ.5 (1) (इ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । 7

मेरा प्रिय वैज्ञानिक

''भारत माँ का अमर सपूत,
माँ का मान बढ़ाने आया।
परमाणु के शांतिपूर्ण उपयोग में,
अपना हाथ बढ़ाने आया।''

हमारे देश में कई महान वैज्ञानिकों ने जन्म लिया। जिन्होंने अपने कार्य से भारत देश को उन्नति के शिखर तक पहुँचाया। मैं जिनके कार्यों से अत्यंत प्रभावित हूँ, वे हैं - डॉ. होमी जहाँगीर भाभा। ये मेरे प्रिय वैज्ञानिक हैं।

जब पूरा विश्व सभी क्षेत्रो में प्रगति कर रहा था, परमाणु-ऊर्जा जब एक चर्चा का विषय था, उस समय भारत इस क्षेत्र में कहीं भी नहीं था। लेकिन तभी भारत माता के इस अमर सपूत ने अपने परमाणु उर्जा के ज्ञान की चकाचौंध से दुनिया को चकित कर दिया। आज भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ किया, हमारे देश में जितने भी परमाणु - शक्ति स्टेशन हैं, वहा डॉ. भाभा के सफल प्रयासों की वजह से हैं। हमारे देश में परमाणु-ऊर्जा कार्य की शुरुआत १९४५ में डॉ. भाभा ने ही की थी। वे ही 'भारतीय परमाणु ऊर्जा कमिशन' के प्रथ सभापति थे। डॉ. भाभा का जन्म ३० अक्टूबर, १९०९ को मुंबई में हुआ था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा भी मुंबई में हुई। स्नातक होने के बाद वे उच्च शिक्षा के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए।

अपनी पढ़ाई के दौरान उन्हें बहुत से वजीफे और मैडल प्राप्त हुए। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में उन्होंने फर्मी और पौली जैसे वैज्ञानिकों के साथ काम किया। १९३७ में भाभा ने कॉस्मिक किरणों के क्षेत्र में वॉल्टर हिटलर के साथ काम किया। अपने इस कार्य के लिए उन्हें बहुत प्रसिद्धि मिली। १९४० में वे भारत लौट आए। १९४५ में डॉ. भाभा ने टाटा अनुसंधान संस्थान की स्थापना की। एक कुशल वैज्ञानिक होने के साथ डॉ. भाभा एक कुशल शासक भी थे। उनके कुशल नेतृत्व में भारतीय वैज्ञानिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति करने लगे। उनके इन्हीं प्रयत्नों के फलस्वरूप, १९४५ में एशिया का पहला परमाणु रिएक्टर मुंबई के निकट ट्रॉम्बे में स्थापित किया गया।

१९५५ में जेनेवा में हुए संयुक्त राष्ट्र की परमाणु के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए हुई सभा का प्रतिनिधित्व भी डॉ. भाभा ने किया। डॉ. भाभा ही पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने परमाणु बम पर रोक लगाने की पहल की थी। डॉ. भाभा अपनी योग्यता के बल पर ही पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू और दूसरे प्रधानमंत्री श्री लालबहादूर शास्त्री के वैज्ञानिक सलाहकार थे। डॉ. भाभा के संरक्षण में पहला परमाणु शक्ति स्टेशन तारापुर नगर में बनाया गया। १८ मई, १९६४ को भारत का पहला न्युक्लियर संयंत्र पोखरन (राजस्थान) में डॉ. भाभा के अनुसंधान कार्य के फलस्वरूप स्थापित किया गया।

कुल मिलाकर डॉ. भाभा की वैज्ञानिक सफलताएँ गिनी नहीं जा सकती। ये महान वैज्ञानिक २५ जनवरी, १९६६ में एक वायु दुर्घटना की वजह से स्वर्गवासी हो गए। डॉ. भाभा के सम्मान में ट्रॉम्बे में स्थित परमाणु ऊर्जा संस्थान का नाम 'भाभा परमाणु अनुसंधान' कर दिया गया। डॉ. भाभा एक अच्चे कलाकार भी थे। उन्हें साहित्य और कला में विशेष रुचि थी। उनका जीवन अत्यंत सीधा और सरल था। वे एक अच्छे वक्ता और मधुरभाषी थे। अपने इन महान उपलब्धियों और गुणों की वजह से न सिर्फ वे भारत के बल्कि पूरी दुनिया के चहेते थे। इस महान वैज्ञानिक की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।

''विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे वह,
नाम था - होमी जहाँगीर भाभा।
अपने ज्ञान के बल पर जिसने,
जीत लिया था दिल दुनिया का।''

(2) **'यदि मेरा घर अंतरिक्ष में होता'** **7**

सर्वे भवन्तु सुखिनः,
सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु,
मा कश्चित दुःखभाग्भवेत्।

इसका अर्थ यह है, दुनिया में सब सुखी व निरोगी रहें; सब भद्र देखें व कोई भी दुखी न हो। दुनिया के सभी लोगों को एक-दूसरे की भलाई के बारे में सदैव सोचना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को भाईचारे की भावना अपनानी चाहिए। हमारी भारतीय संस्कृति इसी विश्व बंधुत्व का संदेश देती है। विश्व बंधुत्व का सही अर्थ है, सबको भाई समझने का भाव। समस्त संसार के विकास के लिए विश्व बंधुत्व जरूरी है।

आज मनुष्य विनाश के कगार पर खड़ा है उसे अपने स्वार्थों ने जकड़ लिया है। वह अपनी स्वार्थ की पूर्ति के लिए भयानक अस्त्रों-शस्त्रों के निर्माण की होड़ लगाए जा रहा है। मनुष्य विनाश के लिए अणुबम व परमाणु बम आदि बनाकर अपनी अपार शक्ति का परिचय दे रहा है। इससे अशांति एवं भयानक वातावरण निर्माण हो रहा है। इसलिए विश्व बंधुत्व वर्तमान युग की माँग है। बच्चों को विश्व-बंधुत्व की शिक्षा देकर ही महात्मा गांधी जी के सपनों को साकार किया जा सकता है। विश्व में शांति की स्थापना हेतु विश्व बंधुत्व की अत्यंत जरूरत है। आज चारों ओर अशांति एवं वैमनस्य का वातावरण दिखाई दे रहा है। सर्वत्र आराजकता फैली हुई है। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र की सीमा पर आक्रमण करने के लिए तत्पर है। भारत पर आक्रमण करने के लिए ही कई देश तैयार हैं। वे सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह बहुत ही गलत बात है। इससे विश्व में अशांति फैलेगी। इसे रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को विश्व बंधुत्व को अपनाना पड़ेगा। विश्व में शांति बनाए रखने के लिए इसकी बहुत जरूरत है।

विश्व बंधुत्व एक ऐसा मानवीय गुण है, जिसे अपनाने से सबका भला होगा। संस्कृत सुभाषित में कहा भी गया है:

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

❖❖❖